Eb – यीशु ने एक विधवा के बेटे को उठाया लूका ७:११-१७ | 1

– Save This Page as a PDF–

यीशु ने एक विधवा के बेटे को उठाया

लूका ७:११-१७

खोदाई: दूसरे राजा ४:८-३७ में यह हमें बताता है कि शुनेम और नैन एक दूसरे के बहुत करीब हैं। इसके आलोक में, ईसा मसीह ने इस विशेष शहर में यह चमत्कार क्यों किया? इस महिला के विधवा होने का क्या मतलब था? यह उसका इकलौता बेटा है? उसने अपने बारे में क्या प्रकट किया? किस चीज़ ने यीशु को इस अंतिम संस्कार जुलूस की ओर आकर्षित किया?

चिंतन: यह कहानी, और पिछली फ़ाइल में सूबेदार के विश्वास की कहानी, हमें यीशु के बारे में क्या बताती है? उसका प्यार और अधिकार आपके लिए कैसे फर्क डालता है? तुम उसकी आवाज कब सुनोगे? आखिरी बार कब आपने प्रभु की करुणा का अनुभव किया था? येशुआ हा-मेशियाच ने कब आपके लिए कुछ ऐसा बहाल किया है जिसके बारे में आपने कभी नहीं सोचा था कि आप इसे वापस पा सकते हैं?

गलील में शुरुआती वसंत निश्चित रूप से सोलोमन के गीत में चित्र का सबसे सच्चा एहसास था, जब पृथ्वी ने खुद को खूबसूरती से तैयार किया और हवा ने नए जीवन पर गीत गाए। ऐसा प्रतीत होता था मानो प्रत्येक दिन प्रभु की ओर से शक्ति का एक विस्तृत चक्र लेकर आया हो; मानो प्रत्येक दिन भी ताज़ा आश्चर्य और नई ख़ुशी लेकर आया हो। इसके एक दिन पहले गैर-यहूदी सूबेदार का दुःख था जिसने जीवन और मृत्यु के सर्वोच्च कमांडर के हृदय को उद्वेलित कर दिया था। आज एक यहूदी मां का वही दुख है, जो मरियम के बेटे के दिल को छू गया। उस उपस्थिति में, दुःख और मृत्यु जारी नहीं रह सकते थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसे किसी अन्यजाति के घर में जाना पड़ा या किसी मृत शरीर को छूना पड़ा – कोई भी उसे अपवित्र नहीं कर सका।

सूबेदार के सेवक को ठीक करने के तुरंत बाद, यीशु कफरनहूम छोड़ कर नैन नामक शहर में चले गए (लूका ७:११ए)। यह लगभग पच्चीस मील था, लेकिन पूरे रास्ते चलने पर भी दोपहर तक नैन पहुँचने में कोई कठिनाई नहीं होती थी, जब अक्सर अंत्येष्टि होती थी। नैन तक और नैन से विभिन्न सड़कें जाती हैं; जो गलील सागर और कफरनहूम तक फैला है, वह स्पष्ट रूप से चिह्नित है।

Eb – यीशु ने एक विधवा के बेटे को उठाया लूका ७:११-१७ | 2



और उस समय मसीहा के प्रेरित और एक बड़ी भीड़
उसके साथ चली। परन्तु जब वह नगर के फाटक के पास पहुंचा, तो एक मृत व्यक्ति बाहर लाया जा रहा था, वह अपनी मां का इकलौता बेटा था, और वह विधवा थी। और नगर की एक बड़ी भीड़ भी उसके साथ थी (लूका ७:११बी-१२)। जैसे ही दोनों जुलूस संकरी सड़क पर एक-दूसरे के पास आए, सवाल यह था कि दूसरे को रास्ता कौन देगा? हम जानते हैं कि प्राचीन यहूदी रीति-रिवाज की क्या माँग रही होगी। क्योंकि, सभी पवित्र कर्तव्यों में से किसी को भी शोक मनाने वालों को सांत्वना देने और दफनाने के लिए जुलूस के साथ मृतकों के प्रति सम्मान दिखाने से अधिक सख्ती से लागू नहीं किया गया था। यह लोकप्रिय विचार कि मृतकों की आत्मा तीन दिनों तक असंतुलित अवशेषों के पास मंडराती रहती है, ने ऐसी भावनाओं को तीव्रता प्रदान की होगी।

हम केवल उस दृश्य, सतर्क चिंता, और गहरी देखभाल, एक माँ की अपने एक खजाने को बरकरार रखने की उत्कट लालसा की कल्पना ही कर सकते हैं। इकलौते बेटे का खोना विशेष रूप से दुखद था। अपने पति को खोने के बाद, उसका बेटा उसका समर्थन करता था (तोराह के तहत), लेकिन फिर उसके बेटे की मृत्यु हो गई, उसने अपनी आजीविका खो दी थी और उसे अपना शेष जीवन एक भिखारी के रूप में जीना पड़ा। दफ़नाने के बाद, धीरे-धीरे रोशनी का ख़त्म होना, विदाई और फिर दुःख का भयानक विस्फोट होगा।

और अब माँ के लिए बस ज़मीन पर बैठकर कराहना ही बाकी रह गया था। अंतिम संस्कार से पहले वह मांस नहीं खाएगी, शराब नहीं पिएगी। जो कुछ उसने पड़ोसी के घर में या दूसरे कमरे में खाया, वह अपने मृत बेटे की ओर पीठ करके खाया। धर्मनिष्ठ मित्र अंतिम संस्कार की व्यवस्था में उसकी मदद करेंगे। चूँकि सबसे गरीब यहूदी के लिए कम से कम दो शॉफ़र और एक शोकग्रस्त महिला को प्रदान करना कर्तव्य माना जाता था, हम निश्चिंत हो सकते हैं कि विधवा माँ ने उस चीज़ की उपेक्षा नहीं की होगी जिसे स्नेह का अंतिम प्रतीक माना जाता था।

जिस दिन का उसे डर था वह दिन आ गया। वह इतने दर्द में थी कि उसे नहीं पता था कि क्या वह जारी रख सकती है। भोंपू की बहुचर्चित ध्वनि ने यह समाचार दे दिया था कि मृत्यु के दूत ने एक बार फिर अपना भयानक कार्य किया है। मातमी जुलूस वीरान घर से शुरू हुआ. बाहर निकलते ही, अंतिम संस्कार वक्ता अर्थी के आगे आगे बढ़ा और मृतकों के अच्छे कर्मों की घोषणा की। मृतकों के तुरंत पहले महिलाएं आईं, यह गलील के लिए विशिष्ट था, मिड्रैश ने यह कारण बताया कि महिला ने दुनिया को मौत से परिचित

Eb – यीशु ने एक विधवा के बेटे को उठाया लूका ७:११-१७ | 3

कराया था। सामान्यतः शव का चेहरा खुला रहता था। जैसे-जैसे ताबूत आगे बढ़ता गया, नंगे पैर चलने वाले लोग बीच-बीच में एक-दूसरे को राहत देते रहे ताकि जितना संभव हो सके लोग प्रेम के काम में हिस्सा ले सकें। उन विरामों के दौरान, ज़ोर-ज़ोर से रोने की आवाज़ आ रही थी। अर्थी के पीछे रिश्तेदार, उसके दोस्त और फिर शहर की एक बड़ी भीड़ चल रही थी। मृतकों को अंतिम दुखद शब्द दिये जा चुके थे। शव ज़मीन पर पड़ा था; बाल और नाखून काटे गए थे, शरीर को धोया गया था, अभिषेक किया गया था, और विधवा द्वारा वहन किए जा सकने वाले सर्वोत्तम कपड़ों में लपेटा गया था।

फिर, कफरनहूम की सड़क पर जीवन के प्रभु के पीछे एक बड़ी भीड़ उमड़ पड़ी। वहां उनकी मुलाकात हुई: जीवन और मृत्यु। परन्तु शोक मनाने वालों ने उसे नहीं रोका। न ही बड़ी भीड़, या यहाँ तक कि अर्थी पर मृत व्यक्ति भी नहीं। यह माँ थी – उसके चेहरे पर भाव और उसकी आँखों में लाली। मसीहा को तुरंत पता चल गया कि क्या हो रहा है। यह उसका बेटा था जिसे बाहर निकाला जा रहा था, उसका इकलौता बेटा। और यदि कोई अपने बेटे, अपने इकलौते बेटे को खोने से होने वाले दर्द को जानता है, तो प्रभु जानता है।

इसलिए, वह जो दुःखों का आदमी था और स्वयं दुःख से परिचित था (यशायाह ५३:३) करुणा से भर गया था। उसका दिल उस पर आ गया। क्रिया हृदय से बाहर चला गया का अनुवाद एस्प्लेनच्निस्थे है, एक क्रिया जिसका उपयोग सुसमाचार में प्रेमपूर्ण चिंता या सहानुभूति के अर्थ में कई बार किया गया है। यह संज्ञा स्प्लंचना से संबंधित है, जिसका अर्थ है शरीर के आंतरिक भाग। ब्रित चादाशाह में संज्ञा का प्रयोग दस बार किया गया है (लूका १:७८; दूसरा कुरिन्थियों ६:१२, ७:१५; फिलिप्पियों १:८, २:१; कुलुस्सियों ३:१२; फिलेमोन ७, १२ और २०; पहला युहन्ना ३:१७). उसने उस पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि वह अभी भी रो रही थी, लेकिन वह उसके पास आया और कहा: मत रो (लूका ७:१३)।

तब यीशु ने आगे बढ़कर उस ताबूत को छुआ जिस पर वे उसे ले जा रहे थे, और उठाने वाले खड़े रहे। वे सोच भी नहीं सकते थे कि आगे क्या होगा। लेकिन आने वाले चमत्कार का भय – मानो जीवन के खुलते द्वार की छाया उन पर पड़ गई थी। चमत्कार करने वाले रब्बी ने कहा: युवक, मैं तुमसे कहता हूं, उठो (लूका ७:१४)! उसने अपनी माँ का दुःख दूर किया, सांत्वना के एक शब्द से नहीं, बल्कि यह प्रदर्शित करके कि वह वास्तव में पुनरुत्थान और जीवन था (योचनान ११:२५)।

जीवनदाता ने कब्र में लेटे हुए मरियम और मार्था के भाई से भी सीधे बात की जब उसने कहा: लाजर, बाहर आओ (यूहन्ना ११:४३)! रैप्चर के समय हम उनकी आवाज सुनेंगे (प्रकाशित By – कलीसिया की राप्चार पर मेरी टिप्पणी देखें)। पवित्रशास्त्र हमें बताता है: क्योंकि प्रभु स्वयं जयकारे के साथ, सत्तारूढ़ स्वर्गदूतों में से एक की पुकार के साथ, और ईश्वर के शॉफर के साथ स्वर्ग से नीचे आएंगे; जो लोग मसीहा के साथ एकजुट होकर मर गए, वे सबसे पहले उठेंगे; तब हम जो बचे हुए हैं, हवा में प्रभु

Eb – यीशु ने एक विधवा के बेटे को उठाया लूका ७:११-१७ | 4

से मिलने के लिए उनके साथ बादलों पर उठा लिये जायेंगे; और इस प्रकार हम सदैव प्रभु के साथ रहेंगे (प्रथम थिस्सलुनीकियों ४:१६-१७)। वह चिल्लाता हुआ हमारे लिये आ रहा है।



तुरंत, मृत व्यक्ति उठ खड़ा हुआ और बात करने लगा –
इस बात का ठोस सबूत कि वह सचमुच जीवित था। उसे ऐसा लग रहा होगा, मानो वह लंबी नींद से जागा हो। वह अब कहाँ था? उसकी माँ क्यों रो रही थी? उसके आसपास कौन थे? और वह कौन था, जिसकी रोशनी और जीवन उस पर पड़ता हुआ प्रतीत होता था? यीशु अभी भी माँ और बेटे के बीच की कड़ी थे, जिन्होंने एक बार फिर एक दूसरे को पाया। और इसलिए, सच्चे अर्थों में, यीशु ने उसे उसकी माँ को वापस दे दिया (लूका ७:१५)। क्या इसमें कोई संदेह है कि उस बिंदु से, माँ, बेटे और नैन के लोगों ने सच्चे मसीहा के रूप में येशुआ पर भरोसा किया?

इस चमत्कार की प्रतिक्रिया तत्काल थी। नगर की बड़ी भीड़ विस्मय से भर गई, वस्तुतः भय ने सभी को अपने वश में कर लिया और परमेश्वर की स्तुति करने लगी। यह आतंक नहीं बल्कि पवित्र श्रद्धा थी. एलिय्याह (प्रथम राजा १७:१७-२४) और एलीशा (२ राजा अध्याय १ से ४) की सेवकाई के बारे में सोचते हुए निस्संदेह उन्होंने कहा, “हमारे बीच एक महान भविष्यवक्ता प्रकट हुआ है।” “यहोवा अपने लोगों की मदद करने के लिए आया है,” तानाख में अपने लोगों की ओर से ईश्वर के कार्यों का वर्णन करने वाली सामान्य अभिव्यक्ति है (निर्गमन ४:३१; रूथ १:६)। यीशु के बारे में यह समाचार पूरे यहूदिया और आसपास के देश में फैल गया (लूका ७:१६-१७)।

एक विधवा के इकलौते बेटे के अंतिम संस्कार के जुलूस में ईसा मसीह को क्या खींचा होगा? क्या यह जिज्ञासा थी? क्या वह हंगामे और रोने-धोने, अनुष्ठानिक शोक, जो मध्य पूर्वी अंत्येष्टि का हिस्सा था, से आकर्षित था? नहीं, सबसे बढ़कर, वह उस करुणा के कारण इस दृश्य की ओर आकर्षित हुआ जो उसे हमेशा दुखी और जरूरतमंदों की ओर आकर्षित करती है।

जब गलील का रब्बी एक यहूदी कोढ़ी के पास आया, तो उसने अपना हाथ बढ़ाया और उस आदमी को ठीक कर दिया क्योंकि वह करुणा से भर गया था (मरकुस १:४१)। जब यीशु ने बारह

Eb – यीशु ने एक विधवा के बेटे को उठाया लूका ७:११-१७ | 5

प्रेरितों को भेजा, तो उसने भीड़ को देखा और उसे उन पर दया आई क्योंकि वे बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह परेशान और असहाय थे (मैथ्यू ९:३६)। जब चमत्कार करने वाले रब्बी ने ५,००० लोगों को खाना खिलाया, तो उसने एक बड़ी भीड़ को अपने पीछे आते देखा, और उन पर दया की, क्योंकि वे बिना चरवाहे की भेड़ों की तरह थे (मरकुस ६:३४)। जब मुख्य चरवाहा बार्टिमायस और उसके मित्र के पास से गुजर रहा था, तो वे उसका ध्यान आकर्षित करने के लिए लगातार चिल्लाते रहे: यीशु, दाऊद के पुत्र, हम पर दया करो! हम देखना चाहते हैं। यीशु को उन पर दया आई और उन्होंने उनकी आँखें छूकर कहा, “देखो।” जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा कर दिया है (लूका १८:३५-४३)। इसी तरह, इस दृश्य में, यह विधवा के लिए मसीहा की करुणा थी जिसने उसे उसकी ओर आकर्षित किया।

हम भी एक समय बिना किसी आशा के आध्यात्मिक रूप से मर चुके थे। लेकिन जीवन के राजकुमार ने हम पर दया की और, अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, उसने हमें अनन्त मृत्यु से अपने में अनन्त जीवन तक उठाया (देखें Ms – विश्वासी का शाश्वत सुरक्षा)। जिस तरह नैन के लोगों ने परमेश्वर की स्तुति की जब उन्होंने अपने बीच एक अद्भुत चमत्कार देखा, उसी तरह हम आनन्दित हो सकते हैं और हमारे जीवन में उनके द्वारा किए जा रहे महान कार्य के लिए परमेश्वर की प्रशंसा कर सकते हैं। अपनी दया में, परमेश्वर ने हमें बचाने और हमें अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हमें चुना, अपना प्रेम हम पर प्रकट किया ताकि हम उसके उद्धार को अपना सकें: हम प्रेम करते हैं क्योंकि उसने सबसे पहले हमसे प्रेम किया (प्रथम यूहन्ना ४:१९)।

आज प्रार्थना में कुछ समय निकालें और उन विभिन्न तरीकों को लिखें जिनसे आपने प्रभु की करुणा और कोमलता का अनुभव किया है। इस बारे में सोचें कि किस प्रकार उसने अपने क्रूस के माध्यम से आपको मृत्यु से बचाया और रुआच में आपको नया जीवन दिया। उन विशिष्ट स्थितियों को याद करने का प्रयास करें जब आप उसके आराम, ज्ञान या शक्ति को जानते थे। अपने परिवार के विभिन्न सदस्यों को देखें और विचार करें कि ईश्वर ने उनकी किस प्रकार देखभाल की है। ऐसे प्यार और अनुग्रह के प्राप्तकर्ता के रूप में, अब हमें उस प्यार को अपने आसपास के लोगों के साथ साझा करने के लिए बुलाया गया है। आइए हम आत्मा से प्रार्थना करें कि वह हमें यीशु की तरह प्यार करना सिखाए ताकि हम इस दुनिया में मसीह के राजदूत बन सकें।

प्रभु, हमारे प्रति आपकी करुणा हमें दूसरों के प्रति करुणा से भर दे, विशेष रूप से हमारे परिवारों के लोगों के लिए और जिनके पास आपके महान प्रेम और दया के बारे में कोई व्यक्तिगत ज्ञान नहीं है।